[Shri Warior]

is confidential? These are considered to be confidential matters.

Mr. Speaker: Mr. Galbraith himself must be knowing. Is there any answer to this?

Shri Krishna Menon: No, Sir. It is not necessary to answer. He can say what he likes.

Mr. Speaker: From what sources did Mr. Galbraith get this information? Has the Government any clues?

Shri Krishna Menon: We have not given any information.

Shri Warior: May I know whether the Government is making any enquiries to this effect? This is a leakage.

Shri Nambiar (Tiruchirapalli): It is a serious leakage in respect of military matters.

Shri Vasudevan Nair (Ambalapuzha): Has it come to the notice of the Minister that between the statement made by the U.S. Ambassador in India and the statement made by the Indian Ambassador in the United States recently which was very much disputed, there is so much of similarity, especially regarding the equipment problem? If so, may I know whether the Government has enquired whether there was any exchange of views between the two?

Shri Krishna Menon: I submit that it does not arise out of this question.

(ii) FIRE IN CONNAUGHT PLACE

श्री बागडी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम १९७ के अन्तर्गत गृह-कार्य मंत्री का ध्यान निम्न अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर आकृष्ट करना हूं और चाहता हूं कि वह इस सम्बन्ध में अपना वक्तव्य दें :—

कनाट प्लेस में भीषण आग दुर्घटना में फ़ायर ब्रिगेड की लापरवाही ।

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): Last night, a fire broke out in Connaught Place at about.....

श्री बागडी : स्पीकर साहब,——

कुछ माननीय सदस्य : हिन्दी में ।

अध्यक्ष महोदय : क्या मिनिस्टर साहब हिन्दी में बयान दे सकेंगे ?

श्री रामसेवक यादव (बाराबंकी) : वह बहुत अच्छी हिन्दी जानते हैं ।

Shri Datar: The question was put both in English and Hindi.

Shri Priya Gupta (Katihar): Sir, I rise to a point of order. Is it because that the hon. Minister does not know Hindi that he has sat down?

Mr. Speaker: Yes; but he has asked his colleague to answer it. Where is the point of order?

Shri Priya Gupta: Thank you, but we should know it.

Mr. Speaker: But hon. Members also must know what the point of order should be.

गृह-कार्य मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : पिछली रात को करीब ९ बज कर ५ मिनट पर कैनाट प्लेस में एक जगह आग लगी । आग बतलाया जाता है कि कुछ बिजली की खराबी की वजह से लगी । पहल पहल डा० राम नाथ कोई डैंटिस्ट है, उनकी दुकान में वह आग लगी फिर वह चारों तरफ आसानी से फैल गयी और उसमें जो दवाएं थीं और कुछ दूसरा सामान जो डैंटिसट्स का था, वह जल गया । आग उस के बाद आसपास के दूसरे मकानात में फैल गयी और आसपास के मकानात और खास तौर से हाउसिंग सोसाइटी जो बिल्कुल बगल में थी उसका भी कुछ सामान और फाइलें आदि जल गयीं । उस के बाद वह आग और आग बढ़ी और साहनी कम्पनी का जो गुदाम था वहां आग लग गयी । वहां पर दवाएं और कुछ

कौस्मेटिक्स का सामान, तरह तरह के रंग जो लगाये जाते हैं और जो कि वहां पर इकट्ठा थे उन को भी नुकसान पहुंचा । उस के बाद मिलाप अखबार का एक छोटा दफ्तर था, उस का कुछ रहने का हिस्सा था, थोड़ा उस के भी सामान वगैरह को नुकसान पहुंचा । किसी आदमी को और किसी व्यक्ति को जानी नुकसान नहीं पहुंचा लेकिन माली सम्पत्ति को जो हानि पहुंची है वह लगभग ६० से ७० हजार तक अनुमान की जाती है ।

फायर एलार्म जैसे ही मिला उस के बाद फायर ब्रिगड घटनास्थल पर ६ बजे कर ६ मिनट पर पहुंच गया । उसको मौके पर पहुंचने में मुश्किल से ४, ५ मिनट का समय लगा । आग बुझाने में लगभग २ घंटे का समय लगा । सुपरिनटेंडेंट पुलिस, सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट और डिप्टी सुपरिनटेंडेंट पुलिस ट्रैफिक वगैरह सब वहां फौरन मौके पर पहुंच गय थे और उन्होंने जांच पड़ताल की । वह इसको देखते रहे कि फायर ब्रिगेड ठीक तरीके पर काम करता है । ट्रैफिक वगैरह को दूसरी तरफ से उन्होंने रवाना करना शुरू किया ताकि आने जाने वालों को नुकसान न पहुंचे ।

श्री बागडी : मैं यह जानना चाहूंगा कि कितनी फायर ब्रिगेड्स की मशीनें वहां पर पहुंची थीं और क्या यह तथ्य नहीं है कि पानी की किल्लत की वजह से फौरी तौर पर आग पर काबू नहीं पाया गया जिस से कि नुकसान और बढ़ गया ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : हमारी रिपोर्ट तो यह नहीं है लेकिन अखबारों में कुछ इसका जिक्र आया है । मैं ने भी अखबारों में यह खबर देखी है कि पानी की कुछ कमी थी और उसी को देख कर मैंने यह सोचा था कि मैं इसका पता लगाउंगा कि दरअसल ऐसी शिकायत थी या नहीं ।

Shri Shiv Charan Gupta (Delhi Sadar): It has been pointed out in the Press reports that the hose pipes were leaking. In this connection, I would draw the attention of the House to the fact that in 1958 a serious fire broke out in Teliwara area and at that time an enquiry was made. Many steps were suggested and two of them were regarding the fire hydrants and about the hose pipes also. I would like to know whether Government propose to make enquiries about those steps which had been taken by the fire service to make their service efficient and why these defects are still there?

Shri Lal Bahadur Shastri: As I said just now, I have also read especially the news which has appeared in the *Statesman* and I think some of the points raised in it are fairly important. I cannot say one way or the other unless I make enquiries from the Delhi Administration. But I do propose to make enquiries and satisfy myself on that point.

12.08 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

NOTIFICATIONS UNDER ALL INDIA SERVICES ACT

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): I beg to lay on the Table, under sub-section (2) of section 3 of the All India Services Act, 1951:—

(i) a copy each of the following Notifications making certain amendments to Schedule III to the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954:—

(a) G.S.R. No. 1066, dated the 2nd September, 1961.

(b) G.S.R. No. 1091, dated the 9th September, 1961.

(c) G.S.R. No. 1233, dated the 7th October, 1961. [Placed in Library, *see* No. LT-170/62].

(ii) a copy of the All India Services (Travelling Allowances)